Govt. Girls College, Sehore

SOUVENIR

National Seminar

On

"Indian Higher Education System: Issues And Challenges"

16 January 2018

Sponsored by : Janbhagidari Samiti

Organised by : Dept. of Commerce & IQAC

Convenor
Dr. Jaya Sharma
HOD commerce

Patron
Dr. Suman Taneja
Principal

राष्ट्रीय संगोष्ठी
भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली : मुद्दे एवं चुनौतियां
दिनांक 16.01.2018
कार्यक्रम

09:00–10:30	–	पंजीयन
10:30–11:30	–	उद्घाटन सत्र
11:30–11:45	–	चाय का अंतराल
11:45–01:45	–	प्रथम तकनीकी सत्र
01:45–02:30	–	भोजन अंतराल
02:30–04:30	–	द्वितीय तकनीकी सत्र
04:30–05:00	–	समापन एवं प्रमाण पत्र वितरण

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय,सीहोर (म.प्र.)

दूरभाष एवं फेक्स :– (07562)224706 ई–मेल:–heggcseh@mp.gov.in

वेव. :www.mpcolleges.nic.in/ggdcsehore/index.html

दिनांक 16/01/2018

//प्रतिवेदन//
राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
"भारतीय शिक्षा प्रणाली मुद्दे एवं चुनौतियां"

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में वाणिज्य विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के द्वारा जनभागीदारी समिति के सौजन्य से दिनांक 16.01.2018 को एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन **"भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली मुद्दे एवं चुनौतियां"** विषय पर किया गया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के डेप्यूटी सेक्रेटरी डॉ. जी.एस.चौहान एवं अध्यक्ष के रूप में सीहोर नगर के विधायक श्री सुदेश राय जी, विशेष अतिथि के रूप में डॉ. पुष्पा दुबे प्राचार्य शासकीय चन्द्रशेखर आजाद अग्रणी महाविद्यालय सीहोर, महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. बी.सी. जैन, भा.जा.पा. जिला अध्यक्ष श्री सीताराम यादव, समाजसेवी श्री राजकुमार गुप्ता, जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सक्सेना एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुमन तनेजा उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रातः 10:30 बजे अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती के पूजन द्वारा किया गया। सभी अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्जवलित किया। कु. प्रवीण चतुर्वेदी द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।

स्वागतः– छात्रसंघ पदाधिकारीयों द्वारा सभी अतिथियों का बेच लगाकर द्वारा स्वागत किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. जी.एस.चौहान का स्वागत किट एवं पौधा देकर किया गया। छात्रसंघ अध्यक्ष मंजू दीवान ने बेज लगाकर एवं संगोष्ठि संयोजक डॉ. जया शर्मा द्वारा किट एवं पौधा प्रदान कर विधायक जी का स्वागत किया गया। महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. मंजरी अग्निहोत्री द्वारा विषय विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी शाह का स्वागत, डॉ अनूप सिंह द्वारा श्री सीताराम यादव का स्वागत, श्रीमति नीलम वासनिक द्वारा श्री राजकुमार गुप्ता का स्वागत, डॉ. प्रतिमा खरे द्वारा डॉ. पुष्पा दुबे का स्वागत, श्री रवि स्वरूप विरहा द्वारा महाविद्यालय के पूर्वे प्राचार्य डॉ. बी.सी.जैन का स्वागत, डॉ. राजेश बकोरिया द्वारा जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमति प्रीति सक्सैना का स्वागत एवं सेमीनार संयोजिका डॉ. जया शर्मा द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुमन तनेजा का स्वागत किया गया।

अतिथियों के स्वागत एवं अपने वक्तव्य में प्राचार्य डॉ. सुमन तनेजा द्वारा डॉ. जी.एस.चौहान एवं गणमान्य मंचशील लोगो का अभिनंदन किया गया। विशेष तौर पर शोधार्थियों का स्वागत किया गया। प्राचार्य ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर जिले का एक मात्र कन्या महाविद्यालय है जिनमें विभिन्न संकायो में कई विषयों का अध्यापन कराया जाता है। शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा स्तर पर महाविद्यालय कीर्तिमान स्थान प्राप्त कर निरंतर प्रगति के पथ पर है। उच्च शिक्षा के लिये कई चुनौतियां है। यहा आये समस्त शोधार्थी एवं विद्वानों द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों से जो सार उत्पन्न होगा उसका मंथन कर कुछ परिणामात्मक निष्कर्ष निकालना इस शोध संगोष्ठी का उद्‌देश्य है।

लक्ष्यः– संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. जया शर्मा द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का लक्ष्य एवं उद्‌देश्य प्रस्तुत किए एवं आयोजन की रूप रेखा प्रस्तुत की गई। उन्होने अपने वक्तव्य मे बताया कि वर्तमान उच्च शिक्षा व्यवस्था परिवर्तनों के

दौर से गुजर रही है जिनका सामना करने के लिए उच्च शिक्षा के समस्त हितग्राहियों मे से प्राध्यापको एवं विद्यार्थियों की विशेष भूमिका है। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की अपनी महत्ता है। वैश्विक परिवर्तनों एवं विकास संबंधी चुनौतियों का सफलता पूर्वक सामना तभी किया जा सकता है जब हम सभी हृदय से इन्हें स्वीकार करें। महाविद्यालय स्तर पर हम जो भी कार्य कर रहें है वे अपने शैक्षणिक स्तर एवं गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए होने चाहिए। उच्च शिक्षा के प्रचार प्रसार एवं नामांकित विद्यार्थियों की संख्या मे वृद्धि संबंधी प्रयासों में शासन को सफलता प्राप्त हुई है जिसके फलस्वरूप 2011–12 के पश्चात महाविद्यालयीन शिक्षा में भारत में विद्यार्थियों की संख्या में 25 प्रतिशत वृद्धि हुई है एवं विश्व स्तर पर 50 से 60 प्रतिशत वृद्धि हुई है। रूसा, वर्ल्डबैंक द्वारा महाविद्यालयों हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। ई–लाइब्रेरी, फिजीकल डेवलप्मेंट इत्यादि क्षेत्र भी विकसित हो रहे है। यह संगोष्ठि उनल विभिन्न मुद्दों एवं चुनौतियों पर केन्द्रीत है जो दर्शातें है कि किस प्रकार भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवा वर्ग वाला देश अपने युवाओं को विश्वस्तरीय मानको के अनुसार तैयार कर रहा है। अपने वक्तव्य में संयोजक द्वारा विश्वास व्यक्त किया गया कि उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दो पर सेमिनार के विषय विशेषज्ञों एवे प्रतिभागियों द्वारा गहन चर्चा कर व्यवस्था को बेहतर बनाने के सुझाव प्रप्त होंगे। सेमिनार मे विशेष सहयोग देने वाले समस्त 200 प्रतिभागियों का विशेष धन्यवाद कर उन्होने अपना वक्तव्य समाप्त किया।

विषय विशेषज्ञों एवं अतिथियों का उद्‌बोधन :– भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सीताराम यादव ने बताया कि आज से 10–15 वर्ष पूर्व महाविद्यालय की स्थिति कमजोर थी। केन्द्र, राज्य सरकार ने नई योजनायें बनायी है जिनका लाभ प्राप्त कर महाविद्यालय छात्राओं को सर्वांगीण विकास के अवसर उपलब्ध करा रहा है। डॉ पुष्पा दुबे प्राचार्य अग्रणी महाविद्यालय सीहोर ने अपने वक्तव्य मे बताया कि भारत में आज के सन्दर्भ में एवं पूर्व की शिक्षा में बहुत अधिक अंतर नही है। मूलतः भारतीय शिक्षा का उद्‌देश्य संस्कार एवं चरित्र का निर्माण है। सुदृढ व्यक्तित्व का निर्माण एवं उससे मजबूत राष्ट्र का निर्माण भवन की नीवं मजबूत होने पर निर्भर है जोकि पूर्णतः शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है।

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल डेप्यूटी सेक्रेटरी श्री चौहान ने कहा कि शिक्षक मेरे वंदनीय है उनकी वजह से आज में इस स्थान पर हूँ। उच्च शिक्षा संस्थनों में संसाधनों एवं शोध संबंधी विकास हेतु यू.जी.सी. द्वारा कई प्रकार नीतियां है जिनका संस्थानों द्वारा सदुपयोग कर गुणवत्ता संवर्धन किया जा सकता है। उच्च शिक्षा मे एक महत्वपूर्ण चुनौती इन्हीं संसाधनों एवं शोध के अवसरों की कमी के संबंध मे है। उन्होने बताया कि अधिकांश महाविद्यालय यू.जी.सी. , रूसा, वर्ल्ड बैंक की योजनाओं से अनभिज्ञ रहते है जिसके कारण मूलभूत सुविधाओ का भी विकास नही हो पाता अतः अब यह हमारे जागने का समय है। विद्यार्थियों मे नैतिक मूल्यों के विकास की भी परम आवश्यकता है और इस हेतु शिक्षक विद्यार्थियों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकें ऐसा प्रयास होना चाहिए। विश्व स्तर पर

हम देखते है कि हमारी ट्रेनिंग कम है। बच्चों से तालमेल करके उन्हे आगे बढ़ाना आवश्यक है। वर्तमान में युवा वर्ग में हताशा बढ़ने से आत्महत्या के आकड़े बढ़ते जा रहे है। उनमें जागृति लाने की आवश्यकता है। जोकि शिक्षा व्यवस्था के द्वारा ही लाई जा सकती है अतः विद्यार्थियों के न केवल ज्ञान बल्कि उनके मनरोबल का विकास ही शिक्षा का असली उद्देश्य होना चाहिए।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन मे माननीय विधायक जी ने महाविद्यालय द्वारा इस विषय पर संगोष्ठि आयोजन की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि इस महाविद्यालय मे उच्च शिक्षा के विकास अंतर्गत छात्राओं को स्नात्कोत्तर स्तर की अध्यापन व्यवस्था का लाभ भी शासन की ओर से शीघ्र प्राप्त होगा। शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों के अंतर्गत कौशल विकास संबंधी पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने पर जोर देते हुए उन्होने व्यावसायिक जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार किये जाने संबंधी व्यवस्था बनाने हेतु सुझाव दिए।

उद्घाटन सत्र के अन्त मे डॉ राजेश बकोरिया ने आभार व्यक्त किया।

अध्यक्ष श्री राजकुमार खत्री एस.डी.एम. सीहोर

विषय विशेषज्ञ डॉ. पी.के. जैन प्राचार्य शसकीय हमीदिया महाविद्यालय भोपाल

विषय विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी शाह प्राध्यापक NKTT College of commerce थाने मुंबई

प्रथम तकनीकी सत्र :– डॉ. पल्लवी शाह प्राध्यापक ने NKTT College of commerce थाने मुंबई ने अपने व्याख्यान मे उच्च शिक्षा मे महिलाओं के प्रभाव एवं परिणामों पर चर्चा की। उन्होने बताया कि महिलाओं का उच्च शिक्षा मे पुरूषों की अपेक्षा नामांकन कम है विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र के पाठ्क्रमों में महिलाओं की संख्या बहुत ही कम है हालाकि यह अंतर कम हो रहा है। उद्योगों की आवश्यकता अनुसार सिलेबस का निर्माण होना चाहिये। आवश्यकता अनुसार छात्रों में स्किल डेवलप की जानी चाहिये। वित्तीय मुद्दे, कौशल विकास, उद्यमशीलता, जैसे विषयों पर औद्योगिक समूहों से चर्चा की आवश्यकता है। उन्होने नवोन्मेश को अपनाने पर बल दिया।

शासकीय कन्या
महाविद्यालय
सीहोर

शासकीय कन्या

शासकीय कन्या

द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. पी.के.जैन प्राध्यापक हमीदिया अग्रणी महाविद्यालय भोपाल ने बताया कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल रोजगार प्राप्त करने हेतु तैयार करना नही है। हमारे सामने कई चुनौतियां हैं जिनका सर्वोचित सामना हमें करना होगा। कई प्रकार के परिर्वतनों की आवश्यकता है जैसे पारंपरिक पाठ्यक्रमों मे बदलाव कर उसे आवश्यकता आधारित बनाना, टीचिंग मैथड एक पक्षीय है जिसे बहुपक्षीय बना कर नवीनता लाने की आवश्यकता है। पानीपत के अशोका विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए उन्होने बताया कि वहां बी.ए. चार वर्षीय पाठ्यक्रम है, इसका सेलेबस स्किल ओरियेंटेड है, जे.एन.यू. का सेलेबस यू.जी.सी. के अनुरूप है इसी प्रकार मध्यप्रदेश एवं अन्य राज्यों मे भी नवाचार किये जाने चाहिए। समयानुसार शिक्षाविदों के सुझाव की आवश्यकता है, जिससे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। फीडबैक सिस्टम लागू होना चाहिये। हमारी टीचिंग मैथड संवादात्मक हो। फील्डविजिट आधारित सिलेबस हो। आधुनिक संसाधनो के अनुसार शिक्षण पद्धति हो।

अध्यक्ष एस.डी.एम. खत्री जी ने अपने अनुभव साझा किये जो शिक्षा जगत से जुड़ी थी। उन्होने उन कठिनाइयों को व्यक्त किया जो प्राथमिक स्तर से प्रारंभ होकर चलती हुई उच्च शिक्षा में पाई जाती है। उन्होने विज्ञान को सामाजिक समस्याओं से जोड़ने पर बल दिया। हमारे सामने चुनौती यह है कि हम स्थिति को परिस्थिति पर हावी होने देते है।

द्वितीय तकनीकी सत्र का आयोजन सेमीनार प्रांगण एवं कक्ष क्रमांक 27 मे किया गया। प्रतिभागियों द्वारा दोनो स्थानों पर शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण किया गया जिन्हें अध्यक्ष एवं विषय विशेषज्ञ द्वारा आंकलित कर टीप प्रदान की गई।

सेमीनार प्रांगण

विषय विशेषज्ञ डॉ. माधवी लता दुबे प्राध्यापक समाजशास्त्र शासकीय भेल महाविद्यालय भोपाल
अध्यक्ष डॉ. कमलेश नेगी सहायक प्राध्यापक हिन्दी च.शे.आ. शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय सीहोर

अंतिम तकनीकी सत्र में डॉ. माधवी लता दुबे ने बताया कि उच्च शिक्षा में विभिन्न बिन्दुओं को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया। उन्होने 25 वर्षो की शिक्षा में कुछ समस्याओं को अपनी दृष्टि से तथा विद्यार्थियों की दृष्टि से भी देखा। उन्होने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता प्रभावित हो रही हैं। हमें समय के साथ चलना है। हमारी अधोसंरचना मजबूत हो रही है, किन्तु रिसर्च बेस्ड स्टडी की कमी है। पाठ्यक्रम पुराना है। शिक्षा के लिये डिग्री भर लेते है। ग्रास इनरोलमेंट बढ़ा है किन्तु युवा पीढ़ी में संवेदन हीनता बढ़ रही है। परानुभूति का अभाव है।

अंत में अध्यक्षीय उद्‌बोधन में डॉ. कमलेश नेगी प्राध्यापक हिन्दी शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय सीहोर ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि शिक्षा क्या है जिसे अग्नि जला नही सकती जिसे भूचाल नष्ट नही कर सकते, चोर चुरा नही सकते है। समस्यायें आती रहेंगी। समस्या का समाधान हमें ही खोजना है। डॉ. नेगी को डॉ. सुधा लाहोटी ने मोमेन्टो प्रदान किया।

कक्ष क्रमांक 27

विषय विशेषज्ञ डॉ. पुष्पा दुबे प्राचार्य च.शे.आ. शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय सीहोर

अध्यक्ष डॉ. बी.सी.जैन पूर्व प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर

डॉ पुष्पा दुबे ने अपने वक्तव्य मे उच्च शिक्षा मे नियुक्तियों एवं आवश्यक योग्यताओं के मुद्दों पर चर्चा की एवं मानव संसाधन का सर्वोत्तम एवं समुचित उपयोग गुणवत्ता संर्वधन हेतु किये जाने के विभिन्न तरीके बताये।

डॉ. बी.सी.जैनः– डॉ. बी.सी.जैन ने उच्च शिक्षा से संबंधित अनुभव साझा किए। आपने बताया कि वर्तमान में उच्च शिक्षा अच्छी स्थिति में है। मगर चुनौतियां भी है, इन चुनौतियों को हमें ही दूर करना है। उन्होने प्रबुद्ध वर्ग से इन चुनौतियों को दूर करने का आग्रह किया। आज विश्व में शिक्षा गुणवत्ता में हमारा कोई विश्वविद्यालय नही है। हमारी परीक्षा प्रणाली में भी सेंघ लगी है। योग्य लोगों का नुकसान किया जा रहा है। परीक्षा प्रणाली में संशोधन होना चाहिये। शोध में गुणवत्ता का अभाव है। डॉ. बी.सी.जैन को डॉ. कलिका डोलस ने मोमेन्टो प्रदान किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र के पश्चात सांय 5 बजे समापन सत्र आयोजित किया गया जिसमें प्राचार्य एवं सेमीनार आयोजन समीति के सदस्यों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये एवं अन्त में डॉ. प्रतिमा खरे प्राध्यापक जन्तु विज्ञान द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

शासकीय कन्या